विषय-सूची

उपक्रमणिका			पृष्ठ
१—निवेदन	...	...	५–६
२—प्राक्कथन	...	...	७–१०
३—दो शब्द	...	...	११–१४
४—उपक्रमणिका	...	...	१
५—हिन्दी जैन साहित्य की विशेषता		...	५
६—हिन्दी की उत्पत्ति का मूल जैनसाहित्य और उसका काल-विभाग			१८
७—आदिकाल का साहित्य और गद्य भाषा		...	४४
८—मध्यकाल का हिन्दी जैन साहित्य		...	६२
९—परिवर्तनकाल	...	...	१३९
१०—परिशिष्ट नं० १ पिंगल शास्त्र		...	२३१
११— ,, ,, २ कुछ चुने हुए पद		...	२४०
१२—परिवर्धन	...	...	२४७
१३—शब्दानुक्रमणिका	...	...	२५२
१४—शुद्धिपत्र	...	...	२६८